

प्रसामारण

EXTRAORDINARY

माप II--वाव्य 3--ववदाव्य (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

0 99] No. 99] नई बिल्ली, बृहस्एितवार, मई 28 + 1970hoप्येध्ठ 7, 1892

NEW DELHI, THURSDAY, M X 1, 1) TO JYAISTHA 7, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रासग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 28th May 1970

G.S.R. 862—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 173A of the Central Excise Rules, 1944, and in continuation of the notification to the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 1482. dated the 21st June, 1969, the Central Government hereby specifies the following further excisable goods as excisable goods to which the provisions of Chapter VII-A of the said rules shall apply, namely:—

The goods comprised in Item Nos. 1C, 1D, 1E, 14AA, 16AA, 33D, 44, 45, 46, 47 and 48 of the First Schedule to the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

2. This notification shall come into force on the 1st June, 1970.

[No. 121/70.]

S. P. KAMPANI, Jt. Secy.

वित मंत्राला

(राजाच प्रौर बीमा विभाग)

कम्बीय उत्पाद शुरुक

नई दिल्ली, 28 मई, 1970

स्पा०का० नि ० 862 — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173 — के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीर भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की श्रधिसूचना संख्या सा ० का ० नि ० 1482, तारीख 21 जून, 1969 के श्रनुक्रम में केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित श्रपर उत्पाद-शुल्क-योग्य माल को एतद्वारा ऐसे उत्पाद-शुल्क-योग्य माल के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसे उक्त नियम के भाग 7 — के के उपबन्ध लागू होंगे, श्रथात् —

केन्द्रीय उत्पाद्-शुल्क और नमक ग्रिधिनियम,1944(1944 का 1)की प्रथम श्रनुसूची की मद संख्याश्रों 1-ग, 1-घ, 1-ड०, 14-कक, 16-कक, 33-घ, 44, 45, 46, 47 श्रीर 48 में सभाविष्ट माल।

यह अधिसूचना पहली जून, 1970 को प्रवृत्त हो जाएगी।

[4 - 121/70.]

एम ० पी ० नः भ्यानी, संयुवत सचिव, ।